21 वीं सदी में - विज्ञान की उपलब्धि

हर्षित गर्ग

आज 21 वीं सदी का आगमन कब से माना जाये, यह तथ्य विश्व भर के विद्वानों के लिये बहस का विषय भले ही हो, मगर देश के वैज्ञानिक, डाक्टर, इन्जीनियरों का बड़ा वर्ग इस बहस के बचते अपने अपने विज्ञान अनुसंधान क्षेत्रों में जुटा है ।ताकि आगामी सहस्त्राब्दी में जनता को अधिक से अधिक सुख मिल सके ।

1. बिना ड्राईवर के गाड़ी चलेगीः-

जापान के कम्प्यूटर इंजीनियर एक ऐसा साफ्टवेयर का काफी हद तक सफलता पूर्वक विकास कर चुके हैं जिसमें बिना ड्राईवर के कार के डैक में फिट कम्प्यूटर कार की गति को नियन्त्रित करके यातायात नियमों का पालन करेगा ।

2. अन्धे भी देख सकेंगेः-

दुनिया भर के लगभग 2.5 करोड़ अन्धे उपेक्षित जीवन जीने को मजबूर है । इन की मदद के लिये जर्मनी के वैज्ञानिक डॉ० स्वेन उटके ने एक ऐसा चश्मा बनाया है, जो कम्प्यूटरीकृत है, जिससे छोटे कैमरों की मदद से रेटिना पर एक तस्वीर उभरेगी । यह कार्य ध्वनि संकेतों के माध्यम से तत्काल होता है ।

3. साबुन लगाने से बढ़ेगी स्मरण शक्तिः-

भूलने वालों को बीमारी से बचने के लिये फिनलैण्ड के टूजो माइण्ड पावर रिसर्च सेन्टर के अध्यक्ष प्रो साइनजे मार्क ने स्वाई वन नामक एक साबुन बनाया है । जिसमें अम्ल की अधिकता है । सिर पर लगाने से मन एकाग्र हो जाता है ।

4. मूड के अनुसार कपड़ों का निर्माणः-

कपड़े आपके आकार के अनुसार छोटे-बड़े हो जायेंगे । कपड़े रंग व तापमान में कमी या बढ़ोतरी करेंगे । आपकी शर्ट आपके मूड के अनुसार रंग बदल देगी ।

5. कुर्सी उड़ेगीः-

चीन के वैज्ञानिक यांग सी क्यान,एक 7 फुट लम्बा और 3 फुट चौड़ा एक ओपेन प्लेटफार्म बनाने में व्यस्त है। जो एक दम कुर्सी जैसा होगा। जिसमें 4 व्यक्ति नीले आसमान की सौ किमी. ऊपर तक सैर कर सकेंगे।

6. चश्मा - नींद का विकल्प

रात को ट्रेन ड्राईवर/ बस ड्राईवर की नींद से होने वाली घटनाओं में कमी होगी। यह चश्मा स्वचालित होगा, जैसे ही ड्राईवर की आँखें 10 सैकेण्ड के लिये बन्द होगीं सायरन बज जायेगा व गाड़ी रूक जायेगी।